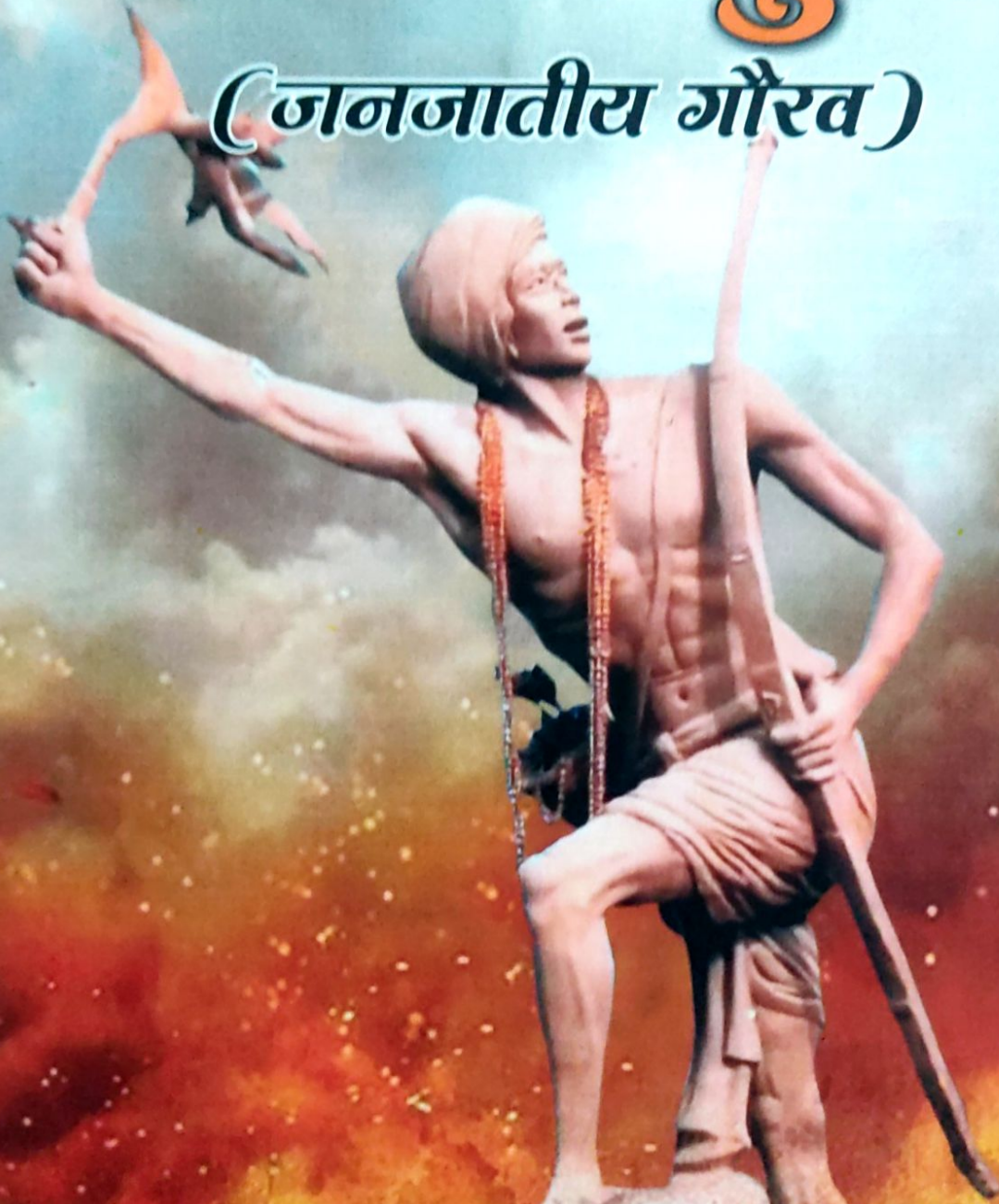


बिरसा मुंडा

(जनजातीय गौरव)



संपादक
आलोक कुमार चक्रवाल

बिरसा मुंडा (जनजातीय गौरव)

संपादक

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल

कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

सह-संपादक

प्रो. शैलेन्द्र कुमार

कुलसचिव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

संपादक-मंडल

प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र

विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. घनश्याम दुबे

सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही

विभागाध्यक्ष
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. सुबल दास

सहायक प्राध्यापक
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

किताबवाले

दिल्ली-110002

अस्वीकरण

इस पुस्तक में लिखे और व्यक्त किए गए सभी विचार लेखकों के हैं, प्रकाशक किसी भी जानकारी की मौलिकता और पुस्तक में निहित सामग्री या पुस्तक में व्यक्त किए गए विचारों के लिए कोई जिम्मेदारी या दायित्व नहीं मानता है।

शीर्षक : बिरसा मुंडा (जनजातीय गौरव)

सम्पादक: प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार

© सम्पादक एवं प्रकाशक

संस्करण : 2022

ISBN : 978-93-90702-70-1

प्रकाशक :

किताबवाले

22/4735, प्रकाश दीप बिल्डिंग,

अंसारी रोड, दरियागंज,

नई दिल्ली-110 002

मुद्रक :

इन-हाउस (सैल्फ)

नई दिल्ली-110 002

अनुक्रमणिका

संदेश	सुश्री अनुसुईया उइके (माननीया राज्यपाल, छ.ग.)	(iii)
संदेश	धर्मेन्द्र प्रधान (माननीय मंत्री, भारत सरकार)	(v)
संपादक की कलम से		(vii)
1.	Birsa : Making of The Dharti Aba Sanjay Kumar Sinha	1
2.	Bhagwan Birsa Munda: A Tribal Hero of Indian Adivasis Kunal Kashyap, Priyanka, Subal Das	10
3.	The Ulgulan for Jal, Jangal and Jamin Vipin Tirkey	14
4.	Birsa Munda and his Political Vision Sudarshan Singh	18
5.	The Legend of The Ulgulan Payal Singh	24
6.	Fir Se Kareu Ulgulan Re: An Analysis of Nagpuri Song Dedicated to Bhagwan Birsa Munda Sirista Julita Meenz, Balram Oraon	33
7.	जनजातीय चेतना के महानायक बिरसा मुंडा प्रवीन कुमार मिश्रा	37
8.	बिरसा मुंडा और उनका आंदोलन : इतिहास लेखन, प्रकृति और प्रसांगिकता रितेश्वर नाथ तिवारी	44
9.	आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा : एक अध्ययन शशिकांत पाण्डेय	52
10.	समकालीन संदर्भ में बिरसा मुंडा के चिन्तन की उपादेयता प्रमोद कुमार, संजय यादव	61

जनजातीय चेतना के महानायक बिरसा मुंडा

प्रवीन कुमार मिश्रा*

छोटा नागपुर के जनजातीय समाज में “शहीद” और “भगवान” के नाम से मशहूर बिरसा मुंडा का जन्म सुगना मुंडा और करमी दम्पति के परिवार में 15 नवम्बर 1875 को हुआ था।¹ हालांकि इसके जन्म-तिथि के सम्बन्ध में विद्वानों के बीच विवाद है फिर भी इस तिथि को कुछ हद तक सही माना जा सकता है। मैथ्यू अरीपारम्पिल ने 15 नवम्बर 1997 के “दि ऐन्यू मेल” में बिरसा मुंडा के जन्म-दिन के सम्बन्ध में एक तथ्य प्रस्तुत किया है।² मैथ्यू अरीपाम्पिल को बर्लिन-स्थित गोस्सनर मिशन के प्राचीन अभिलेखागार से एक दस्तावेज प्राप्त हुआ था। यह दस्तावेज तत्कालीन गोस्सनर मिशन के मिशन इन्स्पेक्टर डॉ. कार्ल हेनरिक क्रिश्चियन प्लाथ द्वारा लिखी गयी है, जिसके अनुसार बिरसा मुंडा का जन्म 22 जुलाई 1872 में हुआ था और 11 अगस्त 1872 को बुड़जू मिशन के रेह्व क्रोचर ने उन्हें बपतिस्मा दिया था जो उनके माता-पिता द्वारा बतायी गई तिथि (भादो का महीना) से मिलता-जुलता है।³ दूसरी ओर गैर-क्रिश्चियन मुंडा तिथि का लेखा-जोखा नहीं रखते थे और 15 नवम्बर की तारीख सोमवार को पड़ी थी। ऐसा प्रतीत होता है कि जुलाई-अगस्त 1895 में वह करीब इक्कीस वर्ष के थे। जॉन हॉफमैन का कहना है कि जब 1895 में बिरसा मुंडा ने यह अफवाह फैलानी शुरू की, तो उनकी उम्र बीस से पच्चीस साल के बीच रही होगी। भरमी मुंडा के विवरण में बिरसा का जन्म तिथि 1872 दिया गया है। एक अन्य सूत्र के अनुसार वह 1895 में बीस साल का था। 7 मार्च 1886 ई. में चायबासा के समारोह में उसे ईसाई धर्म की दीक्षा प्राप्त हुई उस समय बिरसा की आयु बारह वर्ष थी।⁴ स्थानीय और जनजातीय लोक गीतों में भी उसके उम्र की चर्चा हुई है जिससे पता चलता है कि उनका जन्म भादो महीने में हुआ था। उनका जन्म दिन बृहस्पतिवार था।⁵ इसलिए इस दिन के नाम पर उनका नाम बिरसा रखा गया था।

इनके जन्म स्थान के सन्दर्भ में भी इतिहासकारों एवं समाजशास्त्रियों के बीच मतभेद है अधिकांश विद्वानों का मत है कि इसका जन्म स्थल छोटानागपुर के प्राकृतिक वैभव सम्पन्न

* संकायाध्यक्ष सामाजिक विज्ञान एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़